आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

एवं

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यान/संगोष्ठी

विषय– आचार्य विद्यासागर जी महाराज का दर्शन

दिनांकः 31 जुलाई 2026

भारतीय दार्शनिक दिवस 2026 एवं गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर

आयोजित व्याख्यान

आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ

स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मा० कुलाधिपति एवं राज्यपाल

उत्तर प्रदेश

संरक्षक एवं मार्गदर्शक

प्रो० विनय कुमार पाठक

कुलपति

छ.शा.जी.म. विश्वविद्यालय, कानपुर

विषय – आचार्य विद्यासागर जी महाराज का दर्शन

दिनांक : 31 जुलाई 2026, समय - 11 बजे से 01 बजे तक | **स्थान-दीन दयाल सभागार, स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज**

मुख्य अतिथि आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक	**संरक्षक** श्री राकेश कुमार मिश्र कुलसचिव CSJMU, कानपुर	**मुख्य वक्ता** डॉ. अमित कुमार जैन श्री श्याद वाद महाविद्यालय वाराणसी
जैन शोध न्यास अतिथि श्री प्रदीप जैन 'तिजारा' C.A. अरविन्द्र जैन, श्री महेन्द्र जी कटारिया, विनीत जैन, श्री कमल जैन समस्त सदस्य	**संयोजक** डॉ सर्वेश मणि त्रिपाठी स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज	**सह-संयोजक** डॉ. लक्ष्मण कुमार, डॉ. कोमल चंद्र जैन, आचार्य. राहुल जैन, डॉ सुमित कुमार चौधरी

आयोजक– भाषा संकाय, आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ, CSJMU, कानपुर

आचार्य विद्यासागर जी महाराज का दर्शन

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान, परिषद् नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 31 जुलाई 2026 को प्रातः 11 बजे से दीन दयाल सभागार में **''आचार्य विद्यासागरजी महाराज का दर्शन''** विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव श्री राकेश कुमार जी के निदेशन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से की गयी। मंगलाचरण प्राकृत भाषा में अध्ययनरत् श्रीमति शिखा जैन, श्वेता जैन और नीलम जैन ने किया। तदन्तर दीप प्रज्ज्वलन समाज के प्रतिष्ठित उद्योगपति श्री महेन्द्र जी कटारिया, विनीत जैन, आयुर्वेदाचार्य डॉ. वन्दना पाठक, संकाय प्रमुख डॉ. सर्वेशमणि त्रिपाठी, कार्यक्रम के मुख्य एवं विशिष्ठ वक्ता डॉ. अमित कुमार जैन, श्री स्याद्वाद महाविद्यालय, वाराणसी और श्री सुमित कुमार जैन ने किया। मंच का संचालन डॉ. कोमल चन्द्र जैन एवं कार्यक्रम की व्यवस्थाऐं जितेन्द्र यादव ने की। कार्यक्रम में लगभग 250 लोगों ने सहभागिता की। जिसमें 50 शोधार्थी, 30 शिक्षक एवं अतिथियों सहित 150 से अधिक छात्र–छात्राऐं सम्मिलित हुए।

दीप प्रज्ज्वल उपरान्त आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत वक्तव्य डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी जी ने किया। उन्होनें कहा कि आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान, परिषद् नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान आयोजित **''आचार्य विद्यासागरजी महाराज का दर्शन''** आप सब का स्वागत है। आचार्य श्री के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार्य विद्यासागर जी महाराज समाज और देश के कर्णाधार थे। उन्होने के उत्थान के लिए एक नई दिशा दी। उनकी प्रेरणा से संचालित जेलों में कथकरघा से अनेक लोग लाभन्वित हो रहे है और देश समाज की प्रगति में अपना योगदान दे रहे। है। आचार्य श्री का दर्शन अर्थात् विचारधारा प्रत्येक प्राणी का उत्थान करना है। उनका माना है कि जब समाज का अन्तिम पंक्ति में खड़ा व्यक्ति विकास करेंगा तो निश्चित है समाज और देश विकास करेंगा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार जैन ने कहा भारत की आध्यात्मिक परंपरा सदैव ऐसे महापुरुषों से आलोकित रही है जिन्होंने अपने तप, त्याग और ज्ञान से समाज को नई दिशा प्रदान की। जैन परंपरा में आचार्य विद्यासागर का नाम ऐसे ही युगपुरुषों में अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल दिगंबर जैन आचार्य ही नहीं थे, बल्कि एक महान दार्शनिक, साहित्यकार, राष्ट्रचिंतक, संस्कृतिपुरुष और मानवतावादी संत भी थे। उनका संपूर्ण जीवन संयम, साधना, आत्मानुशासन और लोकमंगल की भावना का जीवंत उदाहरण रहा।

'पूरे राष्ट्र के संत थे आचार्य विद्यासागर'

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विवि के स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज में "आचार्य विद्यासागर जी का दर्शन" विषय पर संगोष्ठी हुई। शोधपीठ के समन्वयक डॉ. कोमलचंद जैन ने आचार्य विद्यासागर के योगदान पर जानकारी दी। मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार जैन 'आकाश' ने कहा कि आचार्य विद्यासागर पूरे राष्ट्र के संत थे। अध्यक्षता डॉ. वंदना पाठक ने की। डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी, डॉ.सुमित कुमार जैन रहे। संचालन डॉ. कोमलचंद्र जैन व लक्ष्मण कुमार ने किया।

भारतीय दार्शनिक दिवस पर सीएसजेएयू के स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज में शुक्रवार को व्याख्यान आयोजित हुआ। अमृत विचार

आचार्य विद्यासागर का दर्शन प्रासंगिक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सीएसजेएमयू के व्याख्यान में विशेषज्ञों ने जताई राय

अमृत विचार। भारतीय दार्शनिक दिवस पर सीएसजेएयू के स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज में शुक्रवार को व्याख्यान आयोजित हुआ। आचार्य श्री विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की ओर से हुए आयोजन में विशेषज्ञों ने राय रखी। कहा कि आचार्य जी का दर्शन आज भी प्रासंगिक है।

कार्यक्रम की शुरुआत कानपुर दिगंबर जैन समाज की महिला मंडल द्वारा किया गया। इस दौरान डॉ अंजनी उपाध्याय, सुमित कुमार चौधरी, प्रतिवर्धन द्विवेदी, शिखा जैन, अंशु जैन भी मौजूद रहीं। शोधपीठ के समन्वयक डॉ. कोमलचंद जैन ने आचार्य श्री विद्यासागर के व्यक्तित्व एवं राष्ट्र, शिक्षा, गौसंरक्षण तथा संस्कार निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार जैन 'आकाश' (प्राचार्य, श्री स्याद्वाद महाविद्यालय, वाराणसी) ने कहा कि आचार्य विद्यासागर केवल जैन समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के संत थे। उन्होंने स्वावलंबन, भारतीय संस्कृति, गौसंरक्षण, स्त्री शिक्षा, स्वरोजगार तथा भारतीय भाषाओं के संवर्धन का संदेश दिया और उनके जीवन से जुड़े अनेक प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किए।

उन्होंने कहा कि आचार्य विद्यासागर, 'मूक माटी' में लिखते है कि जीव का उद्धार या मोक्ष किसी बाहरी शक्ति या अनुकम्पा से नहीं, बल्कि स्वयं के पुरुषार्थ से ही संभव है। गुरु केवल मार्ग दिखा सकते हैं (वचन या उपदेश दे सकते हैं), लेकिन अंतिम मंजिल तक पहुंचना और आत्मोपलब्धि करना साधक को खुद ही होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने की। उन्होंने आचार्य श्री द्वारा प्रतिपादित सात्विक जीवनशैली, ऋतु एवं स्थानानुकूल आहार तथा भारतीय परंपराओं के वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डाला।

विशिष्ठ वक्ता डॉ. सुमित कुमार जैन ने आचार्य विद्यासागर महाराज कृत कृतियों पर दार्शनिक विचार में कहा आचार्य श्री ने माटी को जीव या आत्मा का प्रतीक माना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ कोमलचंद जैन, लक्ष्मण कुमार ने किया । इस दौरान महेंद्र जी कटारिया, कमल जैन, विनीत जैन, मुकेश जैन, डॉ प्रभात कुमार, अंकित कुमार, जितेन्द्र यादव समस्त भाषा संकाय उपस्थित रहा।

भारतीय भाषाओं के संवर्धन का दिया संदेश

जासं, कानपुर : सीएसजेएमयू के स्कूल आफ लैंग्वेजेज में आचार्य श्री विद्यासागर-सुधासागर जैन शोधपीठ एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य विद्यासागर जी का दर्शन विषय पर संगोष्ठी हुई। स्याद्वाद महाविद्यालय, वाराणसी के प्राचार्य डा. अमित कुमार जैन आकाश ने कहा कि आचार्य विद्यासागर केवल जैन समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के संत थे। उन्होंने स्वावलंबन, भारतीय संस्कृति, गौसंरक्षण, स्त्री शिक्षा, स्वरोजगार तथा भारतीय भाषाओं के संवर्धन का संदेश दिया। शोधपीठ के समन्वयक डा. कोमलचंद जैन, डा. अंजनी उपाध्यय, सुमित चौधरी, प्रतिवर्धन द्विवेदी, शिखा जैन आदि रहे।

आचार्य विद्यासागर के दर्शन पर व्याख्यान

KANPUR. सीएसजेएम यूनिवर्सिटी में भारतीय दार्शनिक दिवस व गुरू पूर्णिमा अवसर पर आचार्य विद्यासागर का दर्शन विषय पर स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज में संगोष्ठी हुई . डॉ . अंजनी उपाध्याय, सुमित कुमार चौधरी, प्रतिवर्धन द्विवेदी, शिखा जैन, अंशु जैन द्वारा आगत विद्वानों का स्वागत किया गया . आचार्य विद्यासागर के जीवन व उनके योगदान पर चर्चा हुई . डॉ .वंदना पाठक ने अध्यक्षता और संचालन डॉ . कोमलचंद्र जैन, लक्ष्मण कुमार ने किया . महेंद्र कटारिया, कमल जैन, विनीत जैन, मुकेश जैन, डॉ प्रभात कुमार, अकित कुमार आदि रहे .

मंचासीन विद्वतवर्ग– मुख्यातिथि आयुर्वेदाचार्य डॉ वदंना पाठक, मुख्य वक्ता डॉ. अमित कुमार, विशिष्ट वक्ता श्री सुमित कुमार जैन, निदेशक सर्वेश मणि त्रिपाठी और न्यासी विनीत जैन

प्रेरणा स्रोत
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
मा० कुलाधिपति एवं राज्यपाल
उत्तर प्रदेश
दीनदयाल शोध केन्द्र

आयोजित व्या
स्कूल ऑफ लैं

आयोजित व्याख्यान
आचार्य विद्यासागर सुधासागर
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज
विषय – आचार्य विद्यासागर जी मह

भारतीय दार्शनिक दिवस 2026 एवं
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मंगलाचरण,दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथि एवं विद्वानों का सम्मान के चित्र

वक्तव्य देते हुए विद्वानों के चित्र

प्रेरणा स्रोत
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
मा० कुलाधिपति एवं राज्यपाल
उत्तर प्रदेश
मुख्य अतिथि
आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक

भारतीय दार्शनिक दिवस 2026 एवं गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर
आयोजित व्याख्यान
आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
विषय – आचार्य विद्यासागर जी महाराज का दर्शन
दीनदयाल शोध केन्द्र

भारतीय दार्शनिक दिवस 2026 एवं गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर
आयोजित व्याख्यान
आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
विषय – आचार्य विद्यासागर जी महाराज का दर्शन
दीनदयाल शोध केन्द्र

भारतीय दार्शनिक दिवस 2026 एवं गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर
आयोजित व्याख्यान
आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोधपीठ
स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली
विषय – आचार्य विद्यासागर जी महाराज का दर्शन
दीनदयाल शोध केन्द्र

राष्ट्रगान एवं समापन समारोह चित्र